खास खबरें

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव कोरोना पॉजिटिव, महंत नरेंद्र गिरी के संपर्क में आए थे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। उन्होंने मंगलवार को कोरोना टेस्ट करवाया था और हाल ही में ट्वीट कर के रिपोर्ट्स की जानकारी दी है। अखिलेश यादव ने ट्वीट कर बताया है, अभी-अभी मेरी कोरोना टेस्ट की रिपोर्ट पॉज़िटिव आई है। मैंने खुद को सबसे अलग कर लिया है और घर पर ही इलाज शुरू हो गया है। पिछले कुछ दिनों में जो लोग मेरे संपर्क में आये हैं, उन सबसे विनम्र आग्रह है कि वो भी जांच करा लें। उन सभी से कुछ दिनों तक आइसोलेशन में रहने की विनती भी है।

पिछले कुछ दिनों में जो लोग मेरे संपर्क में आये हैं, उन सबसे विनम्र आग्रह है कि वो भी जाँच करा लें। उन सभी से कुछ दिनों तक आइसोलेशन में रहने की विनती भी है।

बता दें, कुछ दिन पहले अखिलेश यादव उत्तराखंड गए थे। हरिद्वार में उन्होंने अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि से मुलाकात की थी। दोनों की मुलाकात के बाद नरेंद्र गिरि कोरोना संक्रमित पाए गए थे। फिलहाल बताया जा रहा है कि नरेंद्र गिरि की हालत सही नहीं है। वे ऋषिकेश के एआईआईएमएस में भर्ती हैं।

महाराष्ट्र ने लगाई पाबंदियां तो बीजेपी ने कहा- कसाई का काम कर रही वसूली सरकार

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने कोरोना वायरस पर काबू पाने के लिए प्रदेश में कड़ी पाबंदियों का ऐलान किया है। पूरे राज्य में 15 दिनों के लिए आवश्यक गतिविधियों के अलावा हर किसी पर रोक लगा दी गई है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को इन पाबंदियों का ऐलान करते हुए कहा कि कोरोना वायरस के खिलाफ एक बार फिर युद्ध शुरु हो चुका है। महाराष्ट्र सरकार के इस कदम पर विपक्षी पार्टी भाजपा ने उस पर निशाना साधा है। भाजपा प्रवक्ता राम कदम ने कहा कि महाराष्ट्र में लोकतंत्र के नाम पर लॉक तंत्र है।

उन्होंने कहा, सिंहासन पर बैठकर वसूली सरकार कसाई का काम कर रही है। वसूली सरकार की लापरवाही के कारण लोगों की तडप तडप कर मौत हो रही हैं। यह मौतें नहीं, बल्कि सरकार द्वारा हत्याएं हैं। श्मशान भूमि पर चिता जलाने के लिए लंबी कतार लगी हुई हैं। इस वसूली सरकार के पास एक साल था। क्या ये एक साल से तीनों दल मिलकर आपस में गिली डंडा खेल रहे थे या वाजे जैसे लोगों को पकड़कर वसूली-वसूली खेल रहे थे

गया में भरी पंचायत में युवक से जबरन थूक चटवाया, अब तक 6 गिरफ्तार

पटना। बिहार के गया जिले में एक लड़के को कुछ लोगों की मौजूदगी में थूक चटवाने के मामले में पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है। बिहार पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि 12 अप्रैल की दोपहर गया के स्स्क के व्हाट्सएप पर एक वीडियो मिला जिसमें एक लड़के को जबरन थूक चटवाया जा रहा था।फौरन केस की जांच कराई गई तो पता चला कि वायरल वीडियो कढ़ौना गांव का है। वीडियो में दिखे लोगों की पहचान के बाद 6 लोगों को गांव से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों ने घटना में अपनी भूमिका स्वीकार की है। इस मामले में वजीरगंज थाने में 12 अप्रैल को आईपीसी की धाराओं, आईटी कानून और एससी-एसटी एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत 14 नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज की गयी थी। बाकी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए गठित एसआईटी की छापामारी जारी है।

एलएसी ही नहीं इस अंतरराष्ट्रीय मकसद के लिए भी सबसे ज्यादा भारतीय जवान हुए हैं शहीद

नई दिल्ली

इंडियन आर्मी चीफ जनरल एमएम नरवाणे पिछले दिनों बांग्लादेश में थे। यह उनकी पहला बांग्लादेश यात्रा थी। अपनी इस यात्रा पर जनरल नरवाणे ने यूनाइटेड नेशंस (यूएन) को एक सलाह दी है। जनरल नरवाणे ने यूएन से अपील की है कि वो पीसकीपिंग मिशन का बजट बढ़ाए। साथ ही जरूरी संसाधन और टेक्नोलॉजिकल सपोर्ट भी मुहैया कराए। उनका कहना था कि आज के समय में चुनौतियां बढ़ गई हैं और उन चुनौतियों से निबटने के लिए और कोई विकल्प फिलहाल नहीं है।

भारत का योगदान सबसे ज्यादा-जनरल नरवाणे ने जो कुछ कहा वो बहुत ही महत्वपूर्ण है। उनकी तरफ से ये सलाह इसलिए भी और ज्यादा महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत की तरफ से सबसे ज्यादा योगदान पीसकीपिंग मिशन में किया जाता है। पिछले 70 वर्षों में यूनाइटेड नेशंस (यूएन) पीसकीपिंग मिशन में ड्यूटी पर शहीद होने वाले सैनिकों में भारतीय सैनिकों की संख्या सबसे ज्यादा है। यूएन की ओर से साल 2018 में दी गई जानकारी के मुताबिक साल 1948 से अब तक 3,733 पीसकीपर्स यानी शांति सैनिक अपनी जान गंवा चुके हैं लेकिन शहादत के आंकड़ों में भारत का नंबर सबसे ऊपर है। भारत, यूएन पीसकीपिंग मिशन के लिए सबसे ज्यादा मिलिट्री और पुलिस जवान भेजने वाला देश है।

भारत के 6,695 पीसकीपर्स इस समय अबेई, साइप्रस, कांगो, हैती, लेबनान, मिडिल ईस्ट, साउथ सूडान और वेस्टर्न सहारा में तैनात हैं। सात दशकों में भारत के 163 मिलिट्री, पुलिस और असैन्य जवान ड्यूटी करते समय अपनी जान गंवा चुके हैं। 30 अप्रैल 2018 तक भारत को 92 बिलियन डॉलर की रकम यूएन की तरफ से ट्रूप्स, पुलिस यूनिट के गठन और उपकरणों के लिए मिली है। यूएन के नीले झंडे के नीचे वर्तमान समय में 124 ट्रूप्स के 96,000 जवान और पुलिस कर्मी अलग-अलग देशों में तैनात हैं। इसके अलावा 15,000 अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय असैन्य स्टाफ और करीब 1600 वॉलेंटियर्स भी तैनात किए गए हैं।

भारत के सबसे ज्यादा जवान कांगो और दक्षिण सूडान जैसे खतरनाक इलाकों में तैनात हैं। भारत ने 15 फोर्स कमांडर भी अलग-अलग मिशन पर भेजे हैं। भारतीय महिलाओं की भी इसमें भागीदारी है। सन् 1960 में पहली बार कांगो में यूएन मिशन पर भारत की महिलाएं गई थीं। ये सेना के मेडिकल कोर से जुड़ी थीं। पहली बार ऑल फीमेल फोर्स भी भारत ने ही भेजी थी, इन्हें लाइबेरिया सिविल वॉर के दौरान भेजा गया था। 2007 से 2016 के बीच 9 बार ऑल फीमेल पुलिस यूनिट भेजी गई। इनके जिम्मे 24 घंटे गार्ड ड्यूटी, नाइट पेट्रोलिंग का काम था।

नॉर्थ-वेस्ट अफ्रीकी देश माली सबसे खतरनाक देश है और यहां पर भारतीय जवान मौजूद हैं। साल 2017 में यहां पर 21 ट्रूप्स ने यूएन के लिए सर्व करते समय अपनी जान गंवाई है। इसमें सात नागरिकों की भी मौत हुई। साल 2017 से भारत का कोई भी सैनिक यूएन मिशन पर शहीद नहीं हुआ था। साल 2016 में दो इंडियन पीसकीपर्स-राइफलमैन ब्रजेश थापा जो कांगों में पोस्टेड थे और असैन्य कर्मी रवि कुमार जो लेबनान में थे, का निधन ड्यूटी पर हुआ था। इन दोनों को ही इस मेडल से नवाज गया था।

साल 2002 में यूएन की जनरल एसेंबली ने इंटरनेशनल डे ऑफ यूनाइटेड नेशंस पीसकीपर्स की शुरुआत की थी। इसका मकसद उन तमाम महिलाओं और पुरुषों को सम्मानित करना था जिन्होंने शांति की रक्षा में अपने प्राण त्याग दिए हैं।

अस्पतालों में वीआईपी कल्चर से परेशान

एम्स भुवनेश्वर के डॉक्टर ने पत्र लिखकर पीएम मोदी से लगाई गुहार

भुवनेश्व

कोरोना महामारी के दौर में सरकारी अस्पतालों में जारी वीआईपी कल्चर पर एम्स भुवनेश्वर के डॉक्टरों ने नाराजगी जताई है। डॉक्टरों ने इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भी लिखा है। अपने पत्र में डॉक्टरों ने पीएम मोदी से निवेदन किया है कि एम्स जैसे सरकारी अस्पतालों में नौकरशाहों, नेताओं और राजनीतिक पार्टी के कार्यकर्ताओं को इलाज में मिलने वाली तरजीह को खत्म किया जाए। बता दें कि कोरोना वायरस के लगातार बढ़ते मामलों से अस्पतालों पर बोझ बढ़ता जा रहा है। कई राज्यों के अस्पतालों में नए मरीजों के लिए जगह ही नहीं बची है।

एम्स भुवनेश्वर डॉक्टर एसोसिएशन ने पीएम मोदी को भेजी चिट्ठी में लिखा है कि अस्पतालों में सभी लाइफ सपोर्ट/आईसीयू सेवाओं को राजनेताओं और उनके पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए आरक्षित किया जा रहा है। जबकि इनमें से कई लोगों को इसकी जरूरत नहीं है और सिर्फ आइसोलेशन में रखकर ही उनका इलाज किया जा सकता है। इसलिए कल्चर को खत्म किया जाना चाहिए। अपने पत्र में डॉक्टरों ने बताया है कि अस्पताल में वीआईपी काउंटर खोले जाने की भी बातें हो रही हैं। इतना ही नहीं ऐसे भी कुछ मामले सामने आए हैं, जिनमें कई राजनेताओं ने डॉक्टरों की ड्यूटी खत्म होने के बाद उन्हें अपने घर बुलाया है। पत्र में कहा गया है कि इन वजहों से डॉक्टरों की मानसिक पीड़ा बढ़ती है और कार्यस्थल पर उनकी क्षमता पर भी इसका असर पड़ता है।

चिट्ठी में आगे कहा गया है महामारी की शुरुआत से ही डॉक्टर अपना जीवन जोखिम में डालकर लोगों को बचा रहे हैं, लेकिन जब वह या उनके परिवार कोरोना संक्रमित हो जाता है तो उन्हें बदले में लंबी कतारें और आईसीयू में पहले से भरे बेड मिलते हैं। उनका कहना है कि अस्पतालों में डॉक्टरों के लिए अलग से कोई काउंटर नहीं है, न ही रेजिडेंट डॉक्टरों के लिए कोई बेड आरक्षित है।

सूरत में हालात खराब, 24 घंटे में 100 शवों का अंतिम संस्कार

सूरत

कोविड-19 महामारी के बीच शवों की संख्या बढ़ने से लगातार इस्तेमाल के कारण गुजरात के सूरत में कुछ शवदाह गृह की भट्ठियां पिघल रही हैं या उनमें दरार आ गयी है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि पिछले एक हफ्ते से शवों को जलाने के लिए कुरुक्षेत्र शवदाह गृह और अश्विनी कुमार शवदाह गृह में गैस आधारित भट्ठियां लगातार चालू हैं, जिससे रख-रखाव के काम में दिक्कतें आ रही हैं।

शवदाह गृह का प्रबंधन करने वाले ट्रस्ट के अध्यक्ष कमलेश सेलर ने पीटीआई-भाषा को बताया, 'पिछले साल कोरोना वायरस महामारी की शुरुआत होने के पहले कुरुक्षेत्र शवदाह गृह में हर दिन करीब 20 शवों का अंतिम संस्कार होता था। अब यह संख्या बढ़ गयी है। फिलहाल रोज करीब 100 शवों का अंतिम संस्कार हो रहा है।'सेलर ने कहा कि शवदाह गृह में छह गैस भट्ठी 24 घंटे जल रही हैं और तापमान 600 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। उन्होंने कहा कि इस कारण से लोहे की भट्ठी और चिमनी पिघलने लगी हैं और गर्मी के कारण इसमें दरार आ रही है। मशीन के इन हिस्सों को बदलना पड़ेगा। सूरत में सबसे पुराने अश्विनी कुमार शवदाह गृह में भी इसी तरह की समस्याएं सामने आ रही हैं और इसके प्रबंधन ने गैस भट्ठियों के रख-रखाव संबंधी मुद्दों के कारण शवों को जलाने के लिए लकड़ी की चिताओं की संख्या बढ़ाने का फैसला किया है।शवदाह गृह के प्रबंधक प्रशांत कबरावाला ने कहा, 'हम 10 गैस भट्ठियों का संचालन करते हैं। इसके अलावा तीन स्थानों पर लकड़ियों से शवों का अंतिम संस्कार होता है। इससे पहले हर दिन 30 शवों का दाह-संस्कार होता था। अब 90-95 शवों का दाह संस्कार हो रहा है।'

दिल्ली: कुट्टू का आटा खाने से 400 लोगों की बिगड़ी तबीयत

नई दिल्ली। नवरात्र के पहले दिन दिल्ली के कल्याणपुरी इलाके में कुट्टू का आटा खाने के बाद करीब 400 लोग बीमार पढ़ गए। देर रात पेट दर्द और उल्टी की शिकायत के बाद इन सभी को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल के डॉक्टरों का कहना है कि रात 11 बजे के बाद मरीजों के आने का सिलसिला शुरू हुआ था। गनीमत यह रही कसी की जान नहीं गई। सभी को समय रहते डॉक्टर्स की टीम ने खतरे से बाहर निकाल दिया। दरअसल रात तकरीबन 11:00 बजे के आसपास दिल्ली के कल्याणपुरी और त्रिलोकपुरी में रहने वाले लोगों की अचानक से तबीयत बिगड़ने लगी। लोगों को घबराहट होने लगी और उल्टी आने लगी और वो बेहोश होने लगे।

साद रिजवी की गिरफ्तारी से पाक में हिंसा, भड़के कार्यकर्ताओं ने की तोड़फोड़

लाहौर

पाक में फ्रांसीसी राजदूत को निष्कासित करने की मांग को लेकर हुए प्रदर्शन के बीच हिंसा भड़क गई है। इस्लामाबाद सहित कई शहरों में आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाएं हुई हैं। इतना ही नहीं कई जगहों पर पुलिसवालों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा गया है। दरअसल, प्रदर्शनकारियों के बेकाबू होने के पीछे एक शख्स की गिरफ्तारी वजह है। गिरफ्तारी की खबर आम होते ही बड़े पैमाने पर हिंसा शुरू हो गई और इमरान खान सरकार उपद्रवियों के सामने बेबस नजर आई।

फ्रांस में ईशनिंदा वाले कुछ प्रकाशनों को लेकर तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान पार्टी के कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका कहना है कि फ्रांसीसी राजदूत को तुरंत निष्कासित किया जाए। विरोध-प्रदर्शन की आग को दबाने के लिए पुलिस ने नए चीफ साद रिजवी को गिरफ्तार किया, लेकिन इसका उल्टा असर देखने को मिला। बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए और हिंसा शुरू हो गई। इस हिंसा में एक पुलिसकर्मी की हत्या की खबर है। जबकि टीएलपी का दावा है कि पुलिस की गोलीबारी में उसके 12 कार्यकर्ताओं की मौत हुई है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी गुलाम मोहम्मद डोगर ने बताया कि तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान के प्रमुख साद रिजवी को सोमवार को गिरफ्तार किया गया था। रिजवी ने धमकी दी थी कि अगर सरकार पैगंबर मोहम्मद का चित्र प्रकाशित किए जाने को लेकर फ्रांस के राजदूत को निष्कासित नहीं करती है, तो प्रदर्शन तेज किए किए जाएंगे।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में फुटबॉल मैच के दौरान ही मैदान पर हुआ जबरदस्त धमाका

बलूचिस्तान

पाकिस्तान का बलूचिस्तान प्रांत बम धमाकों से दहल उठा है। पुलिस ने बताया कि मंगलवार को एक फुटबॉल मैच के दौरान मैदान पर ही एक जबरदस्त धमाका हुआ। इस धमाके में 12 लोग घायल हो गए। पड़ोसी मुल्क का बलूचिस्तान प्रांत लंबे समय से अशांत प्रांत रहा है। यहां हमेशा ही बम धमाके होते रहते हैं। यहां मौजूद खदानों में काम करने वाले श्रमिकों को भी आतंकी निशाना बनाते रहते हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मोहम्मद अहमद जहीर ने कहा कि प्रांत के इंडस्ट्रीयल सेंटर हुब के अलाहाबाद टाउन में एक फुटबॉल मैच हो रहा था। ये मैच सेवा के दौरान मारे गए पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि देने के लिए खेला जा रहा था। इस दौरान स्थानीय रूप से निर्मित आईईडी के जरिए जबरदस्त धमाका किया गया। उन्होंने कहा कि इस धमाके में 12 लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए फौरन कराची ले जाया गया। घायलों में से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है।एक अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि ये धमाका टूर्नामेंट के फाइनल मैच में हुआ। फिलहाल पुलिस ब्लास्ट की वजहों की तलाश में जुट गई है। साथ ही इस बात की भी जांच की जा रही है कि इस धमाके को क्यों अंजाम दिया गया। बता दें कि हुब टाउन कराची को बलूचिस्तान से जोड़ता है। अलगाववादी और आतंकी बलूचिस्तान में लंबे समय से अनेकों बम धमाकों को अंजाम देते आए हैं। आमतौर पर इन धमाकों के जरिए प्रांत के विभिन्न हिस्सों में अरबों डॉलर के चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे पर काम करने वाले सेना के जवानों, पुलिसकर्मियों और खनन श्रमिकों और मजदूरों को निशाना बनाया जाता है।

पिछले साल, आतंकवादियों ने ऑरमारा में मकरान कोस्टल हाईवे पर ऑयल एंड गैस डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड के एक काफिले के एस्कॉर्टिंग वर्कर पर हमला किया। इस हमले में फ्रंटियर कॉर्प्स के सात सैनिक और सात सुरक्षा गार्ड मारे गए।

चीन-भारत सीमा पर सैनिकों को हटाए जाने के बावजूद तनाव

नई दिल्ली। राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के कार्यालय (ओडीएनआई) ने अमेरिकी संसद को दी अपनी हालिया रिपोर्ट में कहा कि चीन विदेश में अपनी आर्थिक, राजनीतिक और सैन्य मौजूदगी का विस्तार करने के लिए अरबों डॉलर के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) का प्रचार करता रहेगा। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने 2013 में सत्ता में आने के बाद अरबों डॉलर की बीआरआई परियोजना शुरू की थी। इस परियोजना का मकसद दक्षिणपूर्व एशिया, मध्य एशिया, खाड़ी क्षेत्र, अफ्रीका और यूरोप को जमीन तथा समुद्र मार्गों से जोड़ने का है।

'दूसरा सीरिया' बनने की कगार पर पहुंच चुका है म्यांमार, संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार संस्था ने चेताया

म्यांमार

म्यांमार में लोकतंत्र की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे लोगों पर सेना की निर्मम कार्रवाई जारी है। इस तरह देश में हालात भयावह होते जा रहे हैं। अभी तक सेना की कार्रवाई में 700 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इसी बीच, संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार संस्था की प्रमुख ने चेतावनी दी है कि म्यांमार दूसरा सीरिया बनने की राह पर चल रह है। दरअसल, यहां हर रोज प्रदर्शनकारियों को सेना की गोलियां द्वारा निशाना बनाया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख ने मंगलवार को कहा कि म्यांमार पूरी तरह से सीरियाई शैली वाले संघर्ष की ओर बढ़ रहा है। स्थानीय निगरानी समहों का कहना है कि सेना द्वारा दो महीने तक की गई कड़ी कार्रवाई के चलते 700 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। एक फरवरी को हुए सैन्य तख्तापलट और सिविलियन नेता आंग सान सू की की गिरफ्तारी के बाद से म्यांमार में उथल-पुथल जारी है। देश की अर्थव्यवस्था भी बुरी तरह से लकवाग्रस्त हो चुकी है। मानवाधिकार के लिए संयुक्त राष्ट्र की उच्चायुक्त मिशेल बाचेलेट ने मानवता के खिलाफ संभावित अपराधों की चेतावनी देते हुए दुनियाभर के देशों से कहा कि वे म्यांमार की सेना के खिलाफ कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि सेना अपने ही लोगों के खिलाफ दमन कर रही है और उन्हें मौत के घाट उतार रही है। इसे रोकने के लिए देशों को कदम उठाने की जरूरत है। हर रोज होने वाले प्रदर्शनों के दौरान लोगों पर गोलियां बरसाई जा रही हैं।

सेना की कार्रवाई में मारे गए हैं 50 बच्चे-स्थानीय निगरानी संस्था के मुताबिक, अभी तक 710 लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें 50 बच्चे भी शामिल हैं। बाचेलेट ने कहा कि मुझे ऐसा महसूस हो रहा है कि म्यांमार अब पूरी तरह से एक संघर्ष की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, यहां पैदा हो रहे हालात 2011 के सीरिया जैसे हालात की ओर इशारा कर रहे हैं। गौरतलब है कि सीरिया में गृह युद्ध की शुरुआत के बाद से अब तक चार लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, 60 लाख लोगों को देश छोड़कर भागना पड़ा है।

स्पेशल खबर!!! *पाकिस्तान का खैबर इलाका बहुमूल्य गुलाबी पुखराज यानी पिंक टोपाज से भरा पड़ा है*

पाक में मौजूद हैं अरबों-खरबों के रत्न और पत्थर, फिर भी क्यों पिछड़ा है ये देश..?

पाकिस्तान का खैबर पख्तूनख्वां वो इलाका जो आतंकवाद और चरमपंथी ताकतों के लिए जाना जाता है। मगर इस हिस्से में एक ऐसी चीज भी है जिसके बारे में शायद बहुत कम लोगों को मालूम है। पाकिस्तान का खैबर इलाका बहुमूल्य गुलाबी पुखराज यानी पिंक टोपाज से भरा पड़ा है। यहां पर मिलने वाला पुखराज इतना कीमती है कि 10 ग्राम की कीमत करोड़ों में होती है।

गुलाबी पुखराज को दुनिया का सबसे महंगा रत्न माना जाता है। पाकिस्तान का खैबर प्रांत गुलाबी पुखराज का भंडार है। यहां के शहर मरदान में पुखराज की माइंस हैं जिनसे बहुमूल्य रत्न निकलता है। यहां से निकलने वाले रत्नों की मांग दुनियाभर में हैं। कई-कई दिनों तक मजदूर खदान में पुखराज को तलाशने का काम करते हैं। कभी उन्हें मनमाफिक चीज मिल जाती है तो कभी उन्हें निराशा हाथ लगती है।

पाकिस्तान में पुखराज तलाशने के काम में लगे मजदूरों की हालत बेहद खराब है। ये मजदूर करोड़ों के रत्न तलाशने में पूरी जिंदगी झोंक देते हैं लेकिन इसके बाद भी सुविधा के नाम पर उन्हें कुछ नहीं मिला है। खैबर के कई इलाके पुखराज की वजह से मशहूर हैं मगर यहां पर विकास न के बराबर है।

पाकिस्तान के व्यापारियों में भी इमरान सरकार की तरफ दिखाई जा रही उदासीनता को लेकर अफसोस की स्थिति है। पाक ट्रेडर्स का मानना है कि अगर सरकार सही तरह से ध्यान दे तो शायद उनकी जिंदगी सुधर सकती है। उनका मानना है कि न सिर्फ मजदूरों का जीवन स्तर सुधरेगा बल्कि इससे खैबर के इलाकों में भी विकास होगा।

खैबर से अलग पाकिस्तान के हिंदुकुश, हिमालय और काराकोरम तक में दूसरे बहुमूल्य खनिज और रत्न पाए जाते हैं। पाकिस्तान की स्वात वैली में 70 मिलियन कैरट से भी ज्यादा अनमोल पन्ना का भंडार है।

साल 2019 में पाकिस्तानी ट्रेडर्स ने तय किया था कि उनके देश में जो भी कीमती रत्न और पत्थर हैं, उन्हें चीन को निर्यात किया जाएगा। उनका मकसद ऐसा करके देश में रेवेन्यू को बढ़ावा देना था। एक्सपोर्ट प्रमोशन कमेटी ऑफ पाकिस्तान चाइना ज्वॉइन्ट चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की तरफ से आई एक रिपोर्ट में कहा गया था कि चीन, दुनिया का पहला देश है जो सबसे ज्यादा पत्थर और रत्न खरीदता है। वहीं पाकिस्तान पांचवां ऐसा देश है जहां पर सबसे ज्यादा रत्नों का भंडार है।

देश के पास नहीं हैं जरूरी संसाधन

पाकिस्तान में कश्मीर रूबी नामक रत्न भी पाया जाता है जिसकी पूरी दुनिया में मांग है। यह रत्न अपने रंग और खूबसूरती की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में सबसे ज्यादा डिमांड में रहता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान में 800,000 कैरेट रूबी, 87,000 कैरेट पन्ना और 5 मिलियन कैरेट पेरिडॉट निर्यात करने की क्षमता है। लेकिन इनका खनन कैसे हो, इस कौशल में कमी, टेक्नोलॉजी का अभाव और प्रोसेसिंग के बारे में ज्ञान न होने की वजह से देश को खासा नुकसान झेलना पड़ रहा है।

पाक की स्वात वैली में मिलने वाले के पुखराज को दुनिया के सबसे शुद्ध और कीमती रत्नों में गिना जाता है। इसके कुछ ग्राम की कीमत करोड़ तक चली जाती है। इसके बाद भी रत्नों के इंटरनेशनल मार्केट में पाकिस्तान के पुखराज की उतनी मांग नहीं, जितनी श्रीलंका और तंजानिया के पत्थरों की है। इसकी कई वजहें हैं। जैसे यहां रत्नों को तराशने के मामले में लोग पुरानी तकनीकों पर निर्भर हैं। ये वक्त भी ज्यादा लेता है और रिजल्ट भी उतने अच्छे नहीं होते।